बेसहारा हूँ ग़म का मारा हूँ | By Sunny Hari |

बेसहारा हूँ ग़म का मारा हूँ
बेसहारा हूँ ग़म का मारा हूँ
चाहे जैसा भी हूँ तुम्हारा हूँ

एक पल के लिए भी आ जाओ
एक पल के लिए भी आ जाओ
रास्ता देर तक निहारा हूँ
बेसहारा हूँ ग़म का मारा हूँ

जब भी आँखें खुली हैं मेरे बाबा
जब भी आँखें खुली हैं मेरे बाबा
मैं तो बस आपको पुकारा हूँ
बेसहारा हूँ ग़म का मारा हूँ

बेसहारा हूँ ग़म का मारा हूँ
बेसहारा हूँ ग़म का मारा हूँ
चाहे जैसा भी हूँ तुम्हारा हूँ

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a5%87%e0%a4%b8%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%82%e0%a4%81-%e0%a4%97%e0%a4%bc%e0%a4%ae-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%82/